FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) the total number of pre-fabricated flats proposed to be constructed in South Delhi during the Fourth Plan period;

(b) the details thereof;

(c) the criteria of selling of these flats to the Low Income Group people and Middle Income Group people in Delhi; and

(d) the prices of different types of flats including interest, if any ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. S. MURTHY) : (a) 248 flats.

(b) These are four storeyed flats and are being constructed in Safdarjang Residential Scheme, block 'C'. The plinth area of each flat is about 706 square feet and it will have 3 living rooms, besides a bath room, W. C. and kitchen.

(c) Flats costing upto about Rs. 15,000/- are allotted to persons in the Low Income Group and flats costing more than Rs. 15,000/- are allotted to persons in the Middle Income Group.

(d) The price is determined on 'no-profit-no-loss' basis after the completion of the flats. The prices of flats already constructed by the Delhi Development Authority varies from Rs. 15,000/- to Rs. 28,500/-.

---

12 hrs

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Flight of Rnssian Planes to Hanoi over India

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर वैदेशिक-कार्य मन्त्री का ध्यान दिलाना चाहता हूं और प्रार्थना करता हूं कि इस बारे में एक वक्तव्य दें:—

"वह कथित समाचार कि उत्तर वियतनाम के लिये शस्त्रास्त्र ले जाने वाले रूस के हवाई जहाज मास्को से हनोई बराबर भारत उड़ान कर रहे हैं और इसके प्रति भारत सरकार की प्रतिक्रिया।"

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH) : No Russian planes carrying arms and military equipment have been permitted to fly over India to North Vietnam or to any other destination. Civilian aircraft, however, do fly over India to Hanoi and back with the clearance of the Government of India. Such civilian flights are of II-18 aircraft and they land at Calcutta (Dum Dum) airport on their way to Hanoi. These aircraft carry passengers, baggage, mail and cargo but no military equipment.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, 18 मार्च को बुडापेस्ट रेडियो ने यह प्रसारण किया कि सोवियत रूस के यात्री विमान भारत और पाकिस्तान हो कर हनोई जा रहे हैं, और यह यात्रा प्रयोग के रूप में हो रही है जिस से कि बाद में लड़ाकू विमान शस्त्रास्त्रों को ले कर इस हवाई मार्ग से हैनोई जा सकें। बाद में लन्दन वेस्टिंग हाउस ने इस वार्ता का प्रसारण किया। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सोवियत रूस से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है कि वह यात्री विमान सेवा के विमानों तक सीमित रहेगा या बाद में सोवियत रूस शस्त्रास्त्रों से लदे हुए जहाज वियटनाम में ले जाने के लिये अनुमति मांगेगा ? अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि रूस और चीन के सम्बन्ध बिगड़ गये हैं। अब उत्तर वियटनाम को रूस चीन के माध्यम से या चीन के रास्ते से जो मदद भेजता था वह भेजना शायद सम्भव नहीं रह गया है और रूस कोई दूसरा मार्ग ढूंढ रहा है और इस मार्ग को वह प्रयुक्त करना चाहता है।

विदेश मन्त्री यह स्वीकार करेंगे कि वियटनाम के बारे में पेरिस में जो वार्ता चल रही है, भारत उ की सफलता चाहता है। हम शांति के साथ वियटनाम समस्या को हल करना चाहते हैं और भारत कोई ऐसी बात पसन्द नहीं करेगा जिस से वहां तनाव बढ़े, जिस से उत्तर और दक्षिण वियटनामों के संघर्ष में कुछ तीव्रता आये। लेकिन अगर भारत अपनी भूमि को या अपने आकाश को उत्तर वियटनाम या दक्षिण वियटनाम को शस्त्र भेजने के लिये प्रयुक्त करने की आज्ञा देगा तो फिर भारत का वियटनाम के सम्बन्ध में जो अन्तर्राष्ट्रीय उद्देश्य है वह पूरा नहीं होगा। मैं मन्त्री महोदय से यह आश्वासन चाहता हूं, और वह सदन को भरोसा दिलायें कि यदि किसी भी देश की सरकार, इस प्रकार की अनुमति मांगेगी, चाहे रूस हो चाहे अमरीका हो, जो वियटनाम को शस्त्रास्त्र भेजना चाहेगी, तो उस को हम अपने आकाशीय मार्ग का उपयोग नहीं करने देंगे ?

श्री दिनेश सिंह: मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं कि हम को वियटनाम में शांतिपूर्ण फैसले और हलकी कोशिश करनी है, और इसी कोशिश में हम लगे हुए हैं। जहां तक माननीय सदस्य ने यह कहा कि हम को कोई ऐसी चीज नहीं करनी चाहिये जिन से वहां जो शांति वार्ता चल रही है उस पर कोई प्रभाव पड़े, मैं इस से भी पूरी तरह से सहमत हूं, और मैं ने अभी माननीय सदस्य से कहा कि उन को कोई चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। कोई शस्त्रास्त्र के जहाज उत्तर वियटनाम हो या दक्षिण वियटनाम हो, नहीं जा रहे हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अभी नहीं जा रहे हैं यह सवाल नहीं है। यदि भविष्य में हम से किसी देश ने प्रार्थना की कि हम उस को अपने आकाशीय मार्ग का उपयोग करने दें, तो क्या भारत सरकार यह स्पष्ट करेगी कि वह अपने आकाशीय मार्ग का उपयोग उस के लिये नहीं होने देगी ?

MR. SPEAKER : It is a general question, not pertaining to the call attention and, therefore, not relevant just now.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह वियटनाम का ही सवाल है। वियटनाम हथियार भेजने के लिये हम अपने आकाशीय मार्ग का उपयोग नहीं होने देंगे, इस की मन्त्री महोदय बिल्कुल साफ साफ शब्दों में घोषणा करें।

श्री दिनेश सिंह : भविष्य में क्या होगा इस के लिये अभी क्या कहा जा सकता है ?

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : यह तो कोई जवाब नहीं हुआ। सरकार की पालिसी क्या है यह बतलाया जाय।

श्री दिनेश सिंह : हमारी जो पालिसी है उसे हम ने स्पष्ट कर दिया है।

SHRI PILOO MODY (Godhra) : After the Russian take over, perhaps he will say !

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैं आप का सरक्षण चाहता हूं। ध्यानआकर्षण प्रस्ताव इस बात को ले कर था कि यह समाचार छपा है कि रूस हमारे आकाशीय मार्ग का उपयोग कर के वियटनाम शस्त्रास्त्र भेजना चाहता है। वैदेशिक-कार्य मन्त्री ने इस का आधा जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि इस समय रूस का विमान हथियार ले कर वियटनाम नहीं जा रहा है। यह आज की बात है कि नहीं जा रहा है, लेकिन अगर कल वह जाने के लिये अनुमति प्राप्त करना चाहेंगे तब सरकार की प्रतिक्रिया क्या होगी ? क्या सरकार रोज-ब-रोज निर्णय लेगी या इतने महत्वपूर्ण प्रश्न हर दृढ़ता के साथ और गंभीरता से विचार कर के सरकार ने कोई निर्णय किया है ?

श्री दिनेश सिंह : हमारी क्या प्रतिक्रिया होगी, यह भी मैं ने कह दिया है। अगर माननीय सदस्य ने सुना होता तो उन्हें मालूम हो

[श्री दिनेश सिंह]

गया होता कि हमारी प्रतिक्रिया है कि वहां शांतिपूर्ण फैसला होना चाहिये, और वहां हम नहीं चाहते हैं कि भारत के प्रदेश से हथियार जायें । मैं ने साफ कहा है ।

SHRI RANJIT SINGH (Khalilabad) : What is the freguency of these flights which he calls ordinary passenger flights. How many such passengers have passed through India to Hanoi in Soviet aircraft ? Has it been absolutely ensured by Government upon their landing in Dum Dum that these aircraft contain no military passengers but only civilian ones, that they are not reinforcements going to Hanoi ? Would he assure us that these are not, as alleged by Budapest Radio and Westinghouse, experimental flights that are to lead later on to bigger flights of reinforcements to Vietnam ?

SHRI PILOO MODY : Do they search the baggage ?

SHRI DINESH SINGH : Normal inspection takes place. We ensure that they are not carrying any war equipment.

As for the question of these being probing flights. I do not think there is any such question. Having been in the armed forces, the hon. member is aware that countries now have the capacity to get people to destinations quickly without the need of probing flight as such.

As regards the frequency, one flight has taken place on the 17th. The other flight was to take place after a one week of interval. But I am not aware of other flights having taken place.

SHRI S. K. TAPURIAH (Pali) : The refusal of the Minister to categorically say that in future planes carrying arms to Vietnam would not be allowed also poses a serious question.

We will not be surprised if on a later day we come to know that these flights were really exploratory and later on arms were taken. There are two developments which lead us to this conclusion. These flights have taken place only after China has refused permission for the flight of Russian planes over China. Secondly, there have been some revelations made by China recently about Russian designs in certain areas in this region Then again the hon. Minister had admitted that these were Ilushyn 18 which had gone through Calcutta. They have a wide range of use and can be used as jet bombers and according to *James Book of aircrafts* which is an authoritative publication on aeroplanes, the polish airforce uses these Ilushin 18 planes. What check has the Government to see that they did not carry plasma or other military equipment in knocked down conditions ? Have they checked the manifest properly ? Have they ever held a surprise check to see that the manifest tallies with the cargo or other goods that are there ? He mentioned that some civilians went there. How do they ensure that the persons who went were not military officers or advisers ? I laso want to know whether it is a permanent agreement or it is permitted from time to time.

SHRI DINESH SINGH : There is no permanent agreement. The question of any surprise check does not arise because all planes are checked. It is not a sample survey. Only one plane had gone and that was checked fully.

12.12 hrs

PAPERS LAID ON THE TABLE

Supplement Demands for grants, Audit Report and Appropriation Accounts (Defence Services)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI P. C. SETHI) : On behalf of Shri Morarji R. Desai, I beg to lay on the Table :

(1) Supplement to Demands for Grants for 1969-70 (Vols. I-III) (Hindi and English versions).

(2) A copy of the Audit Report, Defence Services, 1969 under article 151(1) of the Constitution.